अनुक्रम

संपादकीय

1. शूद्रक के मृच्छकटिकम् की समझः इच्छाओं, नारीत्व और भावनाओं का स्थान निर्धारण
   —*हर्ष मान*
2. पूर्व मध्यकालीन स्थापत्य कला में प्रतिबिम्बित सामाजिक-धार्मिक जीवनः खजुराहों के मंदिरों के विशेष सन्दर्भ में
   —*संतोष कुमार पाण्डेय*
3. मध्यकालीन भारत में मल्फ़ुज़ात साहित्य एवं इतिहास-लेखन की परम्परा
   —*रफ़ीउल्लाह*
4. अठारहवीं शताब्दी में दिल्ली एवं अवध क्षेत्र में स्त्री शिक्षा की स्थिति
   —*डॉ. आर्चना कुमारी*
5. बिहार की एक जमींदारीः बेतियाराज
   —*राम प्रताप यादव*
6. औपनिवेशिक असम में ईसाई धर्म का विस्तारः ईसाई धर्म के विकास में मध्यकालीन राज्य और औपनिवेशिक राज्य व्यवस्था की भूमिका
   —*रक्तिमज्योति हजारिका*
7. हरियाणा के क्षेत्र में रॉलेट सत्याग्रह से संबंधित गतिविधियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
   —*निखिल कुमार*
8. औपनिवेशिक पंजाब के मीरासीः जाति, व्यवसाय और सांस्कृतिक स्मृति
   —*रूपेश खत्री*
9. मानहानि कानून का ऐतिहासिक विकासः भारत में पूर्व-औपनिवेशिक शासन से औपनिवेशिक शासन के बाद तक
   —*राकेश कुमार जाट*

10. पश्चिम से मणिपुर तक रेडियो नाटक का संक्षिप्त इतिहास
—डॉ. गुरुमायम बिजोयकुमार शर्मा

11. आपराधिक जनजाती अधिनियम के विशेष संदर्भ में राजपूताना की आपराधिक जनजातियों के कुछ पहलू
—अभिषेक मीणा

12. लोक-शास्त्र में स्त्री और कामनारू हिंदी में यशोदा देवी और संतराम बी.ए. की लेखनी
—चारु गुप्ता

पुस्तक समीक्षा

'जमींदार, पॉलिटी, ईकॉनमी, एण्ड कल्चर : ईस्टर्न उत्तर प्रदेश इन द ऐटीन्थ सेंचरी' प्राइमस बुक्स, दिल्ली, 2025, कुल पृष्ठ 329 लेखक सैयद नजमुल रजा रिजवी
—अजरूदीन लाड

सोशियो-कल्चरल लाइफ़ इन डेक्कनः अ स्टडी विदिन द अली मॉडर्न वर्ल्ड
— डॉ. आशू